
Shri Tripurasundari Stotram

श्रीत्रिपुरसुन्दरीस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Shri Tripurasundari Stotram 08 05

File name : tripurasundarIstotram.itx

Category : devii, devI, stotra, dashamahAvidya

Location : doc_devii

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : From stotrArNavaH 08-05

Latest update : August 15, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 15, 2021

sanskritdocuments.org

Shri Tripurasundari Stotram

श्रीत्रिपुरसुन्दरीस्तोत्रम्



श्वेतपद्मासनारुढां शुद्धस्फटिकसन्निभाम् ।
वन्दे वाग्देवतां ध्यात्वा देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ १ ॥

शैवाधिराजतनयां शङ्करप्रियवल्लभाम् ।
तरुणोन्दुनिभां वन्दे देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ २ ॥

सर्वभूतमनोरम्यां सर्वभूतेषु संस्थिताम् ।
सर्वसम्पत्क्षरीं वन्दे देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ ३ ॥

पद्मालयां पद्महस्तां पद्मसम्भवसेविताम् ।
पद्मरागनिभां वन्दे देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ ४ ॥

पञ्चबाणधनुर्बाणपाशाङ्कुशधरां शुभाम् ।
पञ्चब्रह्ममयीं वन्दे देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ ५ ॥

षट्पुण्डरीकनिलयां षडाननसुतामिमाम् ।
षट्कोणान्तःस्थितां वन्दे देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ ६ ॥

उरार्धभागनिलयामम्बामद्रिसुतां मृडाम् ।
हरिप्रियानुजं वन्दे देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ ७ ॥

अष्टैश्वर्यप्रदामम्बामष्टदिकपालसेविताम् ।
अष्टभूर्तिमयीं वन्दे देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ ८ ॥

नवमाण्डिक्यमकुटां नवनाथसुपूजिताम् ।
नवयौवनशोभाढ्यां वन्दे त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ ९ ॥

काञ्चीवासमनोरम्यां काञ्चीदामविभूषिताम् ।
काञ्चीपुरीश्वरीं वन्दे देवीं त्रिपुरसुन्दरीम् ॥ १० ॥

एति श्रीत्रिपुरसुन्दरीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

Shri Tripurasundari Stotram

pdf was typeset on August 15, 2021

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

